eISSN 2583-6986

IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 12, Dec 2022

ऑनलाइन शिक्षा में सीखने के रुझान

[1]कुसुम
[2]शोधार्थी, शिक्षा संकाय, महात्मा ज्योतिबाफुले रूहेलखण्ड, विश्वविद्यालय, बरेली

Abstract

शिक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिक्षा हम किसी भी माध्यम के द्वारा ग्रहण कर सकते हैं। शिक्षा मनुष्य को बौद्धिक रुप से तैयार करती है। वैसे ही आज के आधुनिक युग में शिक्षा प्राप्त करने का एक सरल तरीका है ऑनलाइन शिक्षा। आधुनिक समय में ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली एक वरदान की तरह है। ऑन लाइन शिक्षा प्रणाली में इसे शिक्षा का नवीनतम रुप माना जाता है, हम अपने शिक्षक से इंटरनेट से मिलते हैं और लैपटॉप या सेल फोन के माध्यम से उनसे मिलते हैं और अपना ज्ञान प्राप्त करते हैं। वर्ष 1993 से ऑनलाइन शिक्षा को वैध शिक्षा माध्यम के रुप में भी स्वीकार किया गया है। जिन्हे प्रयुक्त भाषा में दूरस्थ शिक्षा कहा जाता हैं इसमें निर्धारित पाठ्यक्रम को सीडी/डीवीडी और इन्टरनेट के माध्यम से शिक्षा दी जाती है। बड़ी बड़ी सेवाओं जैसे सिविल सर्विस, इंजीनियरिंग और मेडिकल, कानून आदि की शिक्षा भी आज कई संस्थान ऑनलाइन उपलब्ध करवा रहे हैं।

मुख्य शब्द– ऑनलाइन शिक्षा, सीखने की प्रक्रिया, तकनीकि एवं बदलता परिवेश।

Introduction

बदलते परिवेश में टैक्नोलॉजी में भी कई बदलाव हुए है और इसके उपयोग भी बड़े हैं। टेक्नोलॉजी के वजह से शिक्षा लेने की पद्धति में भी बहुत से परिवर्तन देखने को मिले हैं। आज ऑनलाइन शिक्षा में उपयोग होने वाली शिक्षण सम्बन्धित सामग्री, टेक्नोलॉजी के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजी जा सकती है। ऑनलाइन शिक्षा से समय बचता है। साथ ही, छात्र शिक्षा को अपने घर में आराम से ले सकते हैं। बच्चे लगातार अपने शिक्षकों को ऑनलाइन कक्षा से पढ़ने के लिए तरीकों को सिखाते हैं और पढने में भी रुचि रखते हैं यही नही ऑनलाइन शिक्षा में टयूशन या बड़े बड़े कोचिंग सेंटर का खर्च भी बचता है। उदाहरण के लिए राजस्थान सरकार ने स्माइल प्रोजेक्ट के तहत स्कूली बच्चों को व्हाट्सएप्प के जरिये रोजाना स्टडी मेटेरियल वीडियों ऑडियो आदि पहुचाएं है, इस नई पहल से शिक्षा व्यवस्था बाधित होने की वजाये अधिक आसान हुई है बदलते अध्ययन वातावरण ने मनोरंजन को और भी रोमांचित बनाता है। थकान और अच्छी दैनिक लागत बचत ऑनलाइन शिक्षा के समय से बचाया जाता है। ऑनलाइन शिक्षा में, आप कक्षाओं से डरते नही है कि और आप सावधानी से शिक्षक के साथ नोट्स लेते हैं। ऑनलाइन शिक्षा में आप अपने वीडियो को फिर से देख सकते हैं इस प्रकार आपको नोट्स बनाने का डर नही होता है।

ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन शिक्षा हमारी **वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण** ने PM eVIDY। नामक प्रोग्राम की शुरुआत की। कोरोना महामारी संकट ने शिक्षा जगत के सामने

eISSN 2583-6986

IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 12, Dec 2022

जो चुनौती खड़ी कर दी है। PM eVIDYA के अंतर्गत 100 विश्वविद्यालयों द्वारा ऑनलाइन कोर्सेज की शुरुवात की जाएगी। इसमें केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा DIKSHA PORTAL के माध्यम से स्कूली शिक्षा पर जोर दिया गया है। 1 से 12 कक्षा के छात्रों को ''वन नेशन–वन प्लेट फार्म'' के तहत ई–कंटेंट और फत कोड आधारित किताबें मुहैया कराई है। वन नेशन वन प्लेटफार्म में पढाई के लिए रेडियो, कम्युनिटी रेडियो और पॉडकास्ट्स के जरिए शिक्षा ग्रहण करने पर जोर दिया जायेगा। Ken42 जैसी कंपनियो, स्कूलों, विश्वविदयालयों और कोचिंग संस्थानों सहित शैक्षणिक संस्थानों के लिए कस्टम निमित लनिंग प्लेटफार्म समाधान प्रदान कर सकती है और अपनी प्रशिक्षण प्रक्रिया को बदलने और अपने कर्मचारियों के ऑनबोडिंग अनुभव को बढ़ाने के इच्छुक कंपनियों के लिए अत्यधिक उन्नत एंड टू एंड सॉफ्टवेयर समाधान प्रदान कर सकती है।

महामारी के चलते शिक्षण संस्थनों और छात्रों को इसके अनुरुप ढालना एक चुनौती के समान है। इंटरनेट प्रणाली अभी तक कुछ छात्रों तक सीमित है इसका सब छात्र लाभ नही उठा पाते हैं। इंटरनेट स्पीड भी एक बड़ी समस्या है। शैक्षिक दुसरा कारण आज भी कई माध्यम वर्गी परिवारों में स्मार्टफोन जैसी मूल सुविधा उपलबध नही । हर शिक्षा संस्थान का अपना शैक्षिक बोर्ड, विश्वविद्यालय है जिसमें अलग अलग पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षा ग्रहण की जाती है। पाठ्यक्रम की असमानता सबसे बड़ी चुनौती है। कई विषयों में व्यवहारिक शिक्षा की जरुरत होती है। तकनीकी समझ भी सबसे बड़ी चुनौती है क्योंकि ये शिक्षा प्राप्त करने का नया माध्यम है। ऑनलाइन शिक्षा में सभावनाओं की बात करें तो आधुनिक युग में इसका उपयोग बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। आज कल कम्प्टीशन की तैयारी करा रहे संस्थान इस पद्धति का उपयेाग कर के पढ़ा रहे हैं। अन्य शिक्षा संस्थानों में भी इसका इस्तेमाल हो रहा है। आने वाले समय में भरत में इस शिक्षा प्रणाली में अपार अवसर हैं।

ऑनलाइन शिक्षा के फायदे–

ऑनलाइन शिक्षा के लाभः– यहाँ कुछ बिन्दुओं के जरिये इस नवीन प्रणाली के फायदों को समझने का प्रयास करते हैं।

- ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली से छात्र घर में बैठे घर या विदेश शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं और अपनी डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।
- ऑनलाइन शिक्षा से आप किसी भी विषय या टॉपिक को समझ सकते हैं और उसके बारे में जान सकते हैं जिससे की आप अपने ज्ञान में बढोत्तरी कर सकते हैं।
- कई छात्र ऐसे भी हैं जो कोचिंग सेंटर जाना चाहते हैं लेकिन दूर की वजह वे नही जा पाते हैं तो इसका लाभ उठाकर शिक्षा गृहण कर सकते हैं।
- छात्र कोई भी समस्या आने पर शिक्षकों से समाधान ले सकते हैं साथ ही किसी भी वीडियो को बार बार देखकर या रिकार्ड कर के अध्ययन कर सकते हैं।

ऑनलाइन शिक्षा की हानियाँः–

नीचे दिए गये बिन्दुओं की मदद से इस शिक्षण प्रणाली की हानियों के बारे में भी जान सकते हैं–

eISSN 2583-6986

IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 12, Dec 2022

- अगर देखा जाये तो शिक्षा और छात्र अधिकतर आठ घंटे ऑनलाइन टाइम बिताते है जो कि मानसिक और शारीरिक स्थिति के नुकसान दे हैं।
- ऑनलाइन से सबसे बड़ा नुकसान यही है कि माता पिता चाहे उनके आर्थिक स्थिति के उलट जाकर बच्चों को मोबाईल, लेपटॉप कम्प्यूटर जैसी सुविधा उपलब्ध करा दें लेकिन क्या बच्चे उससे सही शिक्षा ले रहे हैं इन बातों से वो अनजान रहते हैं।
- ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षक और छात्रों के सामंजस्य स्थापित नही कर पाते। लेकिन अगर शिक्षा पारंपरिक हो तो बच्चा उसकी वक्त विषय के बारे में बात कर सकता है।
- जब कोई छात्र स्कूल में पढ़ाई में ध्यान नही लगा पाता तो ऑनलाइन में कैसे ध्यान केन्द्रित कर पायेगा।

ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव–

कोरोना महामारी ने पिछले 2 वर्षो में दुनिया भर में शिक्षा और शैक्षिक प्राालियों को अत्यधिक प्रभावित किया है। कोरोना के प्रभाव को कम करने की कोशिशों में दुनिया भर की शिक्षण संस्थानों को अस्थायी रुप से बंद कर दिया गया। पूरी दुनिया में 100 करोड़ के आस पास शिक्षार्थी स्कूल बंद होने के कारण प्रभावित हुए हैं अब सबसे बड़ा सवाल उठता है कि विद्यार्थी शिक्षा कैसे ग्रहण करें। इसके लिए कई बड़ी संस्थाओं ने इसका एक ही हल निकाला वो हैं ऑनलाइन शिक्षा। जिसका असर हर जगह देखा जा सकता है।

ऑनलाइन शिक्षा एक प्रकार से कंम्पयूटर के माध्यम से इंटरनेट की सुविधा से प्राप्त की जा रही है। ऑनलाइन शिक्षा के लिए कम्प्यूटर और कई तरह के गैजेट्स का सहारा लिया जाता है। पर इसके लिए इंटरनेट की क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए इस बात पर हमें ध्यान देना होगा।

ऑनलाइन शिक्षा के प्रकार–

ऑनलाइन शिक्षा के प्रकार क्या क्या हैं ?–

- **सिंक्रोनस शैक्षिक व्यवस्था**:– यह रियल टाइम लर्निंग या लाइव टैलीकास्ट लनिंग है। इस शैक्षिक व्यवस्था में एक ही समय में शिक्षक और छात्रों के मध्य संवाद स्थापित होता है तथा अध्ययन की गतिविधियां संचालित की जाती हैं ऑडियो और वीडियो कान्फ्रेन्सिंग लाइव चैट तथा वर्चुअल क्लासरुम आदि इसके उदाहरण हैं।

- **असिंक्रोनस शैक्षिक व्यवस्था**:– इस शैक्षिक प्रणाली में छात्र अपनी स्वेच्छा से जब चाहे दी गई अध्ययन सामग्री को पढ़, देख व सुन सकता है। इसमें रिकोर्ड क्लास वीडियो, ऑडियो ई बुक्स, वेब लिंक्स, प्रेक्टिस सेट आदि सम्मिलित हैं भारत में अधिकतर लोग इस शैक्षिक पद्धति के जरिये पढ़ना पसंद करते हैं।

''शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयेाग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं''– नेल्सन मंडेला–

eISSN 2583-6986

IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 12, Dec 2022

महामारी ने आधुनिक शिक्षा जगत में बदलाव की गति को तेज कर दिया है। डिजिटल परिवर्तन और विश्व स्तर पर प्रौद्योगिकी को अपनाने के साथ, भविष्य की नोकरियां ''जीवन भर की नौकरियों'' के विचार के विपरीत होगी। भविष्य की नौकरियों को बनाए रखने और प्राप्त करने के लिए शिक्षा क्षेत्र में विभिन्न तकनीकों के उदय और कार्यान्वयन के साथ सीखने की पारंपरिक प्रक्रिया को प्रतिस्थापित किया जा रहा है। लेकिन चिंता करने की कोई जरुरत नही है क्योंकि हम एक ऐसे युग की और बढ रहे हैं जहां शिक्षा जीवन भर की सम्पत्ति है। कुशल कार्यबल विकसित करने के लिए डिजिटलीकरण और प्रभावी शिक्षा महत्वपूर्ण है। हम ऑनलाइन शिक्षा के साथ क्रांति के युग में प्रवेश कर रहे हैं। बिग डेटा, मशीन लर्निंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) छात्रों को अपने कौशल को तेज करने और उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेंगे।

आइए हमारे सीखने की प्रणाली में हाल के कुछ रुझानों पर नजर डालें।

1– **गैर पारंपरिक पाठ्यक्रमों की बढ़ती मांग**– उद्योग की आवश्यकताओं में परिवर्तन के कारण तकनीकी पाठ्यक्रमों की मांग में वृद्धि हो रही है। विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों ने अन्य मांगों के लिए बाजार खोल दिया है। बाजार ने ल्वनज्नइमते और सोशल मीडिया प्रभावितों की संख्या में ऊपर की ओर रुझान दिखाया है, जिससे सोशल मीडिया क्रिएटर्स की भारी मांग पैदा हुई है। मांग को पूरा करने के लिए फोटोग्राफी, वीडियो मेकिंग, वीडियो गेम, डिजाइन थिकिंग, फैशन, मार्केटिंग, पीआर कम्युनिकेशनस और अन्य विशिष्ट क्षेत्रों जैसे ई–कॉमर्स हॉस्पिटेलिटी, फूड एंड कैटरिंग, डेटा जैसे क्षेत्रों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम तलाश रहे हैं। विज्ञान मशीन, लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि।

2– वर्चुअल लर्निंगं– शिक्षा क्षेत्र में वर्चुअल लर्निंगं एक प्रमुख प्रवृत्ति है क्योंकि यह शिक्षार्थियों को लचीलापन और सुविधा प्रदान करता है। ई–लर्निंग की प्रक्रिया को संस्थानों द्वारा वर्चुअल लर्निंगं टूल्स के साथ सुव्यवस्थित किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रैसिंग टूल और ऑनलाइन लाइव इंटरैक्शन छात्रों और प्रशिक्षकों को कक्षा का अनुभव प्रदान करते हैं। तकनीक के बारे में बढ़ती जागरुकता और डायल टूल्स को संभालने में बेहतर क्षमता ऑनलाइन शिक्षा को अधिक व्यवहार्य और कुशल बना रही है यह सामग्री प्रदान करने और प्रशिक्षण प्रदान करने का एक लागत प्रभावी तरीका है। मिश्रित प्रौद्योगिकी और कक्षा निर्देश एक साथ छात्रों के लिए एक गुणवत्तापूर्ण और व्यक्तिगत पाठ्यक्रम तैयार करेंगें।

3. 24x7 **अवधारणा आधारित शिक्षा–** डिजिटल लर्निंगं अवधारण आधरित शिक्षा को प्रोत्साहित करती है और छात्रों को उनके करियर पथ में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए महत्ववपूर्ण कौशल विकसित करती है। यह शिक्षक केन्द्रित शिक्षा से छात्र केन्द्रित शिक्षा में बदलाव का भी प्रतीक है। सरकार ने डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के साथ डिजिटलीकरण के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है भारत में आईटी को अपनाने से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में काफी तेजी आई है। अतुल्यकालिक शिक्षा के प्रसार ने शिक्षा को 24x7 घटना बना दिया है क्योंकि छात्र अब जब चाहे और जहां चाहे अपने पाठकों तक पहुंच सकते हैं।

eISSN 2583-6986

IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 12, Dec 2022

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके मूल्यांकन– आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने न केवल छात्रों के सीखने के तरीके को बदला है बल्कि यह भी कि उनकी शैक्षणिक प्रगति का आकलन कैसे किया जाता है एआई द्वारा संचालित ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों का व्यक्तिगत मूल्यांकन किया जाता है। ए0 आई0 आधारित एप्लिकेशन छात्रों के समय प्रदर्शन में मूल्यवान अंतदृष्टि प्रदान करते हैं। ये उपकरण कई स्तर में एक छात्र के तुलनात्मक मूल्यांकन को उजागर करते हैं और उन्हे सीखने में कमजोर क्षेत्रों को चुनने में मदद करते हैं जहां अनुकूलित और लक्षित निर्देश के साथ प्रगति की जा सकती है। इससे शिक्षक छात्र के शैक्षणिक विकास और प्रदर्शन के बारे में बेहतर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली मानवीय मूल्यांकन के पक्षपात को भी दूर करती है।

अनुकरण और Gamification- अनुकरा और Gamification शिक्षा प्रौद्योगिकी में सबसे नवीन प्रवृत्तियाँ है वे कम्प्यूटर गेम डिजाइन यथार्थवादी सेमुलेशन ओर गेमिंग तत्वों का उपयोग करके छात्रों की सीखने की प्रक्रिया का समर्थन करते हैं। सिमुलेशन छात्रों को आभासी रुप में वास्तविक जीवन की स्थितियों की एक झलक देता है जबकि गेमिफिकेशन छात्रों का ध्यान आकर्षित करके और विषय क्षेत्र में उनकी रुचि बढ़ाकर उनकी व्यवस्तता में सुधार करता है टेक लर्निगं का यह रुप छात्रों को ज्ञान, कौशल और अंतर्ज्ञान के साथ अपने परिणामों का परीक्षण करने की अनुमति देता है यह डेटा विश्लेशण एल्गोरिदम का उपयोग करके पक्षपात के जोखिम को कम करता है। खेलों के माध्यम से सीखना छात्रों को अपने कौशल विकसित करने की सुविधा देता है और प्रक्रिया को सुखद प्रभावी और अनुभवात्मक बनाता है।

ऑनलाइन शिक्षा की आवश्यकता:–

- ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से छात्र एक्टिव रहकर व्यक्तिगत रुप से अपने नॉलेज और दक्षताओं का स्वंय निर्माण करता हैं परिणाम स्वरुप वह स्वंय ही सीखता है।
- ऑनलाइन शिक्षा में विद्यार्थी घर के अतिरिक्त किसी भी जगह से पढाई कर सकते हैं। जैसे हॉस्टल से महाविद्यालय से, सायबर कैफे से आदि। इससे आर्थिक दृष्टि से अक्षम विद्यार्थी भी उपयोगी विषयवस्तु का अध्ययन तथा शिक्षक प्रशिक्षकों से सम्पर्क कर सकते हैं।
- ऑनलाइन शिक्षा द्वारा 24 घंटे एवं सप्ताह के सातों दिन अध्ययन किया जा सकता है। अतः इसमें विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार अध्ययन कर सकता है।
- ऑनलाइन शिक्षा में विद्यार्थी वेब कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा विषयवस्तु एवं प्रकरण पर किसी विषय विशेषज्ञ अथवा परस्पर अंतः क्रिया करते हुऐ अधिगम कर सकते हैं। जिसके कारण उनके पूर्व ज्ञान में वृद्धि होती है।
- ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी दूर दूर बैठे हुऐ भी एक साथ एक समूह में अध्ययन कर सकते हैं। जिससे उनका समाजीकरण भी होता है।

उपसंहार– ऑनलाइन शिक्षा उन लोगों के लिए सुविधा जनक है जो काम करते हुए या घर की देखभाल करने के साथ अपनी पढाई रखना चाहते हैं। वह सुविधा ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त कर सते

eISSN 2583-6986

IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 12, Dec 2022

हैं। यह एक नयी शिक्षा प्रणाली है जो हर देश अपना रहा है। छात्रों को जरुरत है कि वह मन और ध्यान केन्द्रित करके। जो छात्र ऑनलाइन शिक्षा को ग्रहण करने में असमर्थ है उनके लिए निशुल्क ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था करने की जरुरत है ताकि शिक्षा से कोई वंचित ना रहे। ऑनलाइन शिक्षा एक उम्दा माध्यम है जहाँ छात्रों को शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए।

संदर्भ सूची–

1– प्रो0 (डॉ0) देवेन्द्र नारंग निदेशक (11 अगस्त 2021) नवीन शिक्षा में रुझावनः शिक्षा का भरता चेहरा।

2– आकाश 2018 –2019 में शिक्षा क्षेत्र में अव्यवस्था का माहौल।

3– डॉ0 स्मिता श्रीवास्तवः– कम्प्यूटर एवं संचार (2016–17) तकनीकि अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा

4– डॉ0 सत्यनारायण दूबे शरतेन्दु (2014) शैक्षिक तकनीकि के मूल तत्व, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

5– उमेश कुमार सोनी (2013) कम्प्यूटर साक्षरता एवं प्रारम्भिक अनुप्रयोग, शिक्षा प्रकाशन, जयपुर।